

(1)

पाठ - 2
वचन

दिन : शुक्रवार
दिनांक : 15 मई, 20

कठिन शब्द :-

1.	शताब्दी	शताब्दी
2.	पौशाकें	पौशाकें
3.	प्लेटोंवाला	प्लेटोंवाला
4.	स्टॉकिंग	स्टॉकिंग
5.	ऑलिव ऑयल	ऑलिव ऑयल
6.	दिल-चरि-पयों	दिल-चरि-पयों
7.	टेलीविजन	टेलीविजन
8.	आइसक्रीम	आइसक्रीम
9.	कन्फेकशनरी	कन्फेकशनरी
10.	चैस्टन	चैस्टन

11.	सूर्यास्त	सूर्यास्त
12.	कोलाहल	कोलाहल
13.	स्टेशन	स्टेशन
14.	रफ्तारवाली	रफ्तारवाली
15.	आश्वासन	आश्वासन
16.	मजाकिया	मजाकिया

शब्दार्थ :-

1.	शताब्दी	सौ वर्षों की अवधि
2.	दिलचस्पी	रुचि
3.	आश्वासन	भरोसा
4.	होट - पुठ	तगड़ा
5.	फ्रील	झालर

	चलन	प्रचलन
6.	केस्टर ऑयल	अरंडी का तेल
7.	ऑलिव ऑयल	जैतून का तेल
8.	खुराक	निश्चित मात्रा
9.	मितली	उल्टियाँ
10.	कमतर	कम अचछा
11.	शुभीते	सुविधा जनक
12.	खीजना	कुदृष्ट होना

प्र० / उ० :-

प्र० 1. लैखिका बचपन में इतवार की सुबह क्या-
क्या काम करती थी ?

उ० - लैखिका बचपन में इतवार की सुबह
अपने मौजे और स्टाकिंग धोने

और अपने जूते पॉलिश करने का काम करती थी।

प्र० 2. 'तुम्हें बताऊंगी कि हमारे समय और तुम्हारे समय में कितनी दूरी हो चुकी है', - इस बात के लिए लेखिका क्या-क्या उदाहरण देती है ?

उ० - यह कहकर लेखिका अपने और अभी के समय में अंतर स्पष्ट करती है। उस समय मनोरंजन का साधन ग्रामीफोन था, आज रेडियो टेलिफोन ने उसकी जगह ले ली है। पहले की कुल्फी अब आइसक्रीम हो गई है। कचौड़ी, समोसे की जगह पैटीज ने ले ली है। फालसे और खसखस का स्थान अब कौक और पेप्सी ने ले लिया है।

प्र० 3. पाठ से पता करो कि लेखिका को चश्मा क्यों लगाना पड़ा ?

उ० - लेखिका ने पहली बार चश्मा लगाया था इसलिए वो कुछ अजीब लग रही थी। उन्हें खुद भी अटपटा सा लग रहा था।

दिन की रोशनी को छोड़कर रात को टेबल लैंप के नीचे काम करना इसका कारण है।

प्र० 4. लैखिका बचपन में कौन-कौन सी चीजे मजा ले-लेकर खाती थी? उनमें से प्रमुख फलों के नाम लिखो।

उ०- लैखिका बचपन में चॉकलेट और चने जे गरम की पुड़िया, टॉफी और चॉकलेट मजे ले लेकर खाती थी। उनमें से प्रमुख फलों के नाम काफल, बसभरी, कसमल आदि है।

प्र० 5. नीचे लिखे वाक्यों को पढ़कर विशेषण के भेदों को लिखे :-

(क) मुझे दो दर्जन केले चाहिए।
 ⇒ दो दर्जन, निश्चित संख्यावाचक।

(ख) दो किलो अनाज दे दो।
 ⇒ दो किलो, निश्चित परिमाणवाचक विशेषण।

(ग) कुछ बच्चे आ रहे हैं।

⇒ कुधः, अनिश्चित संख्यावाचक,

(व्य) सभी लोग हैं रहे थे।

⇒ सभी, अनिश्चित संख्यावाचक विशेषण

(उ.) तुम्हारा नाम बहुत सुंदर है।

⇒ बहुत, गुणवाचक विशेषण

(च) तुम्हारा सारा प्रयत्न बेकार रहा।

⇒ तुम्हारा, सर्वनामिक विशेषण